एफ वाटर्स | चित्राँकनः चार्वाक दीप्त

कथा की 300एम थिंकबुक

हॉर्न ओके प्लीज
लाल लॉरी
पीली लॉरी
लाल लॉरी
पीली लॉरी
वेलकम
टू इंडिया

है कहाँ लाल लॉरी?

मैं हूँ

नारंगी लॉरी!

नीली बस
पीली बस

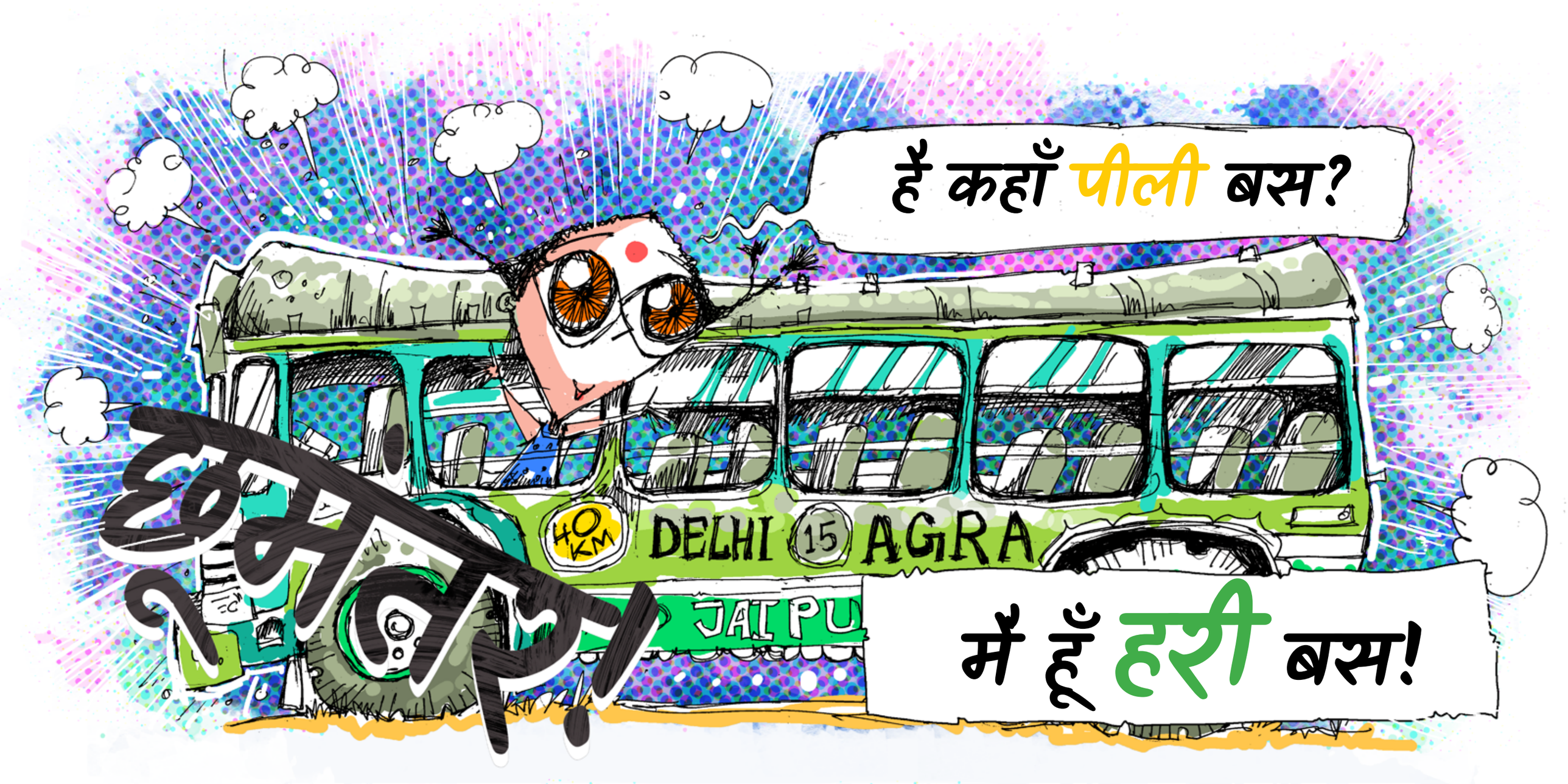

है कहाँ पीली बस?
40 KM
DELHI 15 AGRA
JAIPU
छड़ाप!
मैं हूँ हरी बस!

लाल विमान
नीला विमान
लाल विमान
नीला विमान
छूमंतर!
कहाँ उडा नीला विमान?
मैं हूँ बैंगनी विमान!

कहाँ हैं सारे
विमान?
यहाँ यहाँ यहाँ

लॉरियाँ हैं
कहाँ?
यहाँ यहाँ
यहाँ!

बसें हैं सब
कहाँ?
यहाँ यहाँ
यहाँ

हम सब है यहाँ! अदीला है कहाँ?

चार्वाक दीप्त ऑक्सफोर्ड के पूर्व छात्र और पुरस्कार विजेता चित्रकार, खाने के शौकीन और ग्लोबट्रॉटर हैं।

क कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" – **नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" – **पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" – **टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"

– **चार्ल्स लैंड्री,** *द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग*

इस संस्करण का पाठ गीता धर्मराजन द्वारा फिर से लिखा गया है,
फियोना वाटर्स की रेड लॉरी, येलो लॉरी से प्रेरित।

पहला हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 2021
लेखन कृति स्वामित्व © ~~गीता धर्मराजन~~
चित्राँकन कृति स्वामित्व © कथा
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्यः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है।

यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर – लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं

आनंद और समझने के लिए पढ़ो

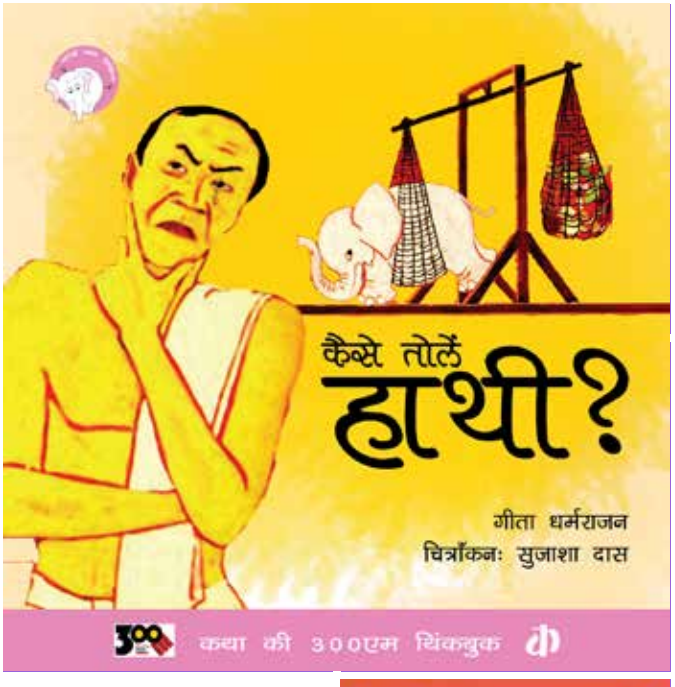

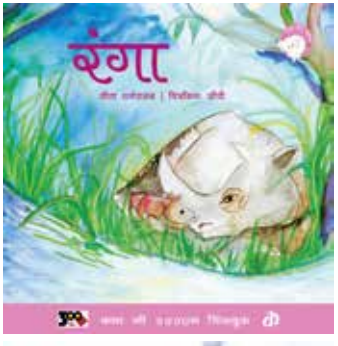

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"An institution in the world of Indian literature."

— The Business Standard

for children
a katha book
ISBN 978-93-88284-81-3
9 789388 284813
www.katha.org
₹ xxx

इसकी वाइल्डलिट शृंखला में